(ङ) भारतीय प्रसारण सेवा के कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) और (ख) भारतीय प्रसारण के निष्पादन का आकलन निम्नलिखित से किया जा सकता है:—

(1) आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा अर्जित वाणिज्यिक राजस्व में वर्ष 1992-93 में 58.91/360.23 करोड़ रुपये से वर्ष 1994-95 तक 64.37/398.02 करोड़ रुपये की नियमित वृद्धि; और

(2) विदेशी उपग्रह चैनलों की कार्यक्रम सूची में दिखायी गयी भारतीय कार्यक्रमों की बढ़ती मात्रा।

(ग) नमूना सर्वेक्षण आवधिक रूप से किए जाते हैं।

(घ) जी, नहीं।

(ङ) आकाशवाणी अपने श्रोताओं के व्यापक जन समूह को विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से अपने कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए सतत आधार पर प्रयास करता है।

दूरदर्शन धारावाहिकों के प्रसारण समय में परिवर्तन के कारण राजस्व में कमी

991. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दूरदर्शन की वाणिज्यिक सेवाओं और दूरदर्शन पर दिखाए गए पांच अत्यधिक लोकप्रिय धारावाहिकों के माध्यम से जितना राजस्व अर्जित किए जाने का अनुमान था और उक्त अवधि के दौरान वास्तव में कितना राजस्व अर्जित किया गया है;

(ख) क्या कुछ धारावाहिकों के प्रसारण समय में किये गये परिवर्तनों के कारण राजस्व में कमी आयी है;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार अपने पूर्व समय सारणी के अनुसार इन धारावाहिकों को दिखाने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) दूरदर्शन राजस्व का को कार्यक्रमवार वार्षिक अनुमान तैयार नहीं करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुमानित/वास्तविक सकल राजस से सम्बन्धित ब्यौरा निम्न प्रकार से है:-

वर्ष	अनुमानित (करोड़ों में)	वास्तविक (करोड़ों में
1992-93	360 रुपए	360.23 रुपए
1993-94	380 रुपए	372.98 रुपए
1994-95	380 रुपए	398.02 रुपए

(ख) और (ग) 2 जून, 1995 से प्रभावी पुनः संरचित कार्यक्रम प्रारूप के वित्तीय प्रभाव का फिलहाल पूर्वानुमान लगाना समय-पूर्व होगा।

(घ) और (ङ) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है क्योंकि नए स्लॉटों में इन धारावाहिकों के दर्शकों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा मारे गये छापे

992. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभागों द्वारा कार्यालय-वार कितने छापे मारे गये हैं और कार्यालय-वार कितने मूल्य के कर अपवंचन के मामलों का पता लगाया गया है; और

(ख) सरकार ने 30 जून, 1995 तक उन पर क्या कार्यवाही की है?

वित्त मंत्री (श्री मनमोहन सिंह): (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

Equity Portfolio of IFCI

903. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what steps are proposed to examine the equity portfolio of, Industrial Finance Corporation of India;